Increasing incidents of atrocities against women

KUMARI SELJA (Haryana): Mr. Chairman, Sir, it is with great deal of pain that I rise to raise this issue. सर, हम हर बार, हर सेशन में इस तरह के issues को उठाते हैं। महिलाओं पर जिस तरह से दिन-प्रति-दिन अत्याचार बढ़ रहे हैं, उससे सारे देश को और सारे समाज को दर्द भी है, दुख भी है और शर्म की बात है, पूरे देश के लिए शर्मनाक बात है। एक international magazine 'The Economist' है। am not going into the veracity of the report. ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: That will go against the interest of our country. ...(*Interruptions*)...

KUMARI SELJA: I am not going into the veracity of the report, but the fact is that internationally this is being raised at such a level that the whole world is seeing the condition of women in our country. किस तरह से क्राइम दिन-प्रति-दिन वीकर सैक्शन्स पर, महिलाओं पर हमारे देश में बढ़ता जा रहा है। सर, हाल ही में, मेरे अपने राज्य हरियाणा में मोरनी एक जगह है, वहां का एक बहुत ही शर्मनाक किस्सा सामने आया है। एक महिला को नौकरी देने का झांसा देकर एक गेस्ट हाउस में लेकर गए और लगातार चार दिन तक उसके साथ 40 लोगों ने दुष्कर्म किया। सर, वह एक जगह से दूसरी जगह पर घूमती रही, लेकिन उसका केस रजिस्टर तक नहीं हो रहा था। सर, हम आज के दिन कितने सख्त कानून बनाते रहेंगे। It is not a point of having these kinds of strict laws, but the need of the hour is that इसके बारे में लॉ एन्फोर्समेंट एजेंसीज़ क्या कर रही हैं? सर, कानून-व्यवस्था की बात है, कानून की बात नहीं है। हर राज्य में ऐसा हो रहा है, चाहे हम राजस्थान को लें, चाहे मध्य प्रदेश को लें, चाहे छत्तीसगढ़ को लें, जहां हजारों महिलाएं गायब हो गयी हैं। सर, बिहार के मामले को अभी सभी ने देखा है, इसने सारे देश को हिला दिया है। वहां पर किस तरह से लड़कियों के साथ हुआ है, जिस संस्था में महिलाओं को सुरक्षित होना चाहिए, I don't know what is happening there. सर, इसी तरह से चाहे गरीब महिलाएं हैं, एससी/एसटी की महिलाएं हैं, सबके साथ यह हो रहा है। सर, यह जो एक माहौल देश में क्रिएट हो गया है, चाहे आप सोशल मीडिया को ब्लेम करें, लेकिन सबसे ज्यादा जो माहौल है, the whole environment that is creating this kind of psychosis in the country, सर, लोगों को लगता है कि वे कुछ भी करें और निकल जाएं। The worst part is that a Supreme Court Judge, who gave a judgement against SCs, on the very first day after retirement is appointed as NGT Chairman. उनको आप अगले ही दिन एनजीटी ट्रिब्युनल का चेयरमैन बना देते हैं! आप क्या माहौल देश में क्रिएट करना चाहते हैं?

MR. CHAIRMAN: You have made your point. It's a very valid point. Don't go beyond that point, otherwise unnecessary controversy will arise. ...(*Interruptions*)...

कुमारी शैलजाः सर, देश में माहौल इस तरह से क्रिएट होता है, जब सरकार उसकी हिस्सेदार हो जाती है, तो कैसे होगा? **...(व्यवधान)...**

MR. CHAIRMAN: No; no. This is not the way, please. ...(*Interruptions*)... This

is not the way. ...(*Interruptions*)... You are a very senior Member. You have been a Minister also. ...(*Interruptions*)... Jaya Bachchan ji. ...(*Interruptions*)... The moment you go beyond the issue, it becomes a Controversy and nobody takes it seriously. ...(*Interruptions*)...

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश): सर, आपने मेरा एक मिनट का समय ले लिया।

Firstly, I would like to associate myself with my previous speaker. I also want to speak on the same subject.

I am so embarrassed to stand up every second day and talk about women's safety and security. It's a shame. I don't know when the authorities are going to take it seriously. I don't think that they are taking it seriously. I want to thank the media because they are bringing it to our notice every day. Every day, when you open the newspapers, you will see at least 4-5 such incidents.

Yesterday, a girl and a boy were going on the road in Uttar Pradesh. The girl was dragged inside a forest and videoed by two men. जो कुछ भी उसके साथ हुआ, is very, very embarrassing. मंत्री जी, श्रीमती छाया वर्मा जी के प्रश्न के ऊपर वहां से जवाब दे रहे थे और उन्होंने बहुत misleading जवाब हम लोगों को दिया। While giving some reference, he said that India was only number seven. Sir, even one incident is equal to hundred incidents. How can we stand here and talk like this? It is really very embarrassing. I again want to repeat that I will continue to speak on this subject every time any such thing happens. And, I hope, you will give me, and other members too, an opportunity to speak. I would also like to see some male Member of the House also speaking about this.

Thank you very much.

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with what the hon. Members, Kumari Selja and Shrimati Jaya Bachchan, have said.

SHRI K.K. RAGESH (Kerala): Sir, I also associate myself with what the hon. Members, Kumari Selja and Shrimati Jaya Bachchan, have said.

SHRI P. BHATTACHARYA (West Bengal): Sir, I also associate myself with what the hon. Members, Kumari Selja and Shrimati Jaya Bachchan, have said.

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I also associate myself with what the hon. Members, Kumari Selja and Shrimati Jaya Bachchan, have said.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I also associate myself with what the hon. Members, Kumari Selja and Shrimati Jaya Bachchan, have said.

SHRI BHUBANESWAR KALITA (Assam): Sir, I also associate myself with what the hon. Members, Kumari Selja and Shrimati Jaya Bachchan, have said.

SHRI MAJEED MEMON (Maharashtra): Sir, I also associate myself with what the hon. Members, Kumari Selja and Shrimati Jaya Bachchan, have said.

SHRI ANUBHAV MOHANTY (Odisha): Sir, I also associate myself with what the hon. Members, Kumari Selja and Shrimati Jaya Bachchan, have said.

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with what the hon. Members, Kumari Selja and Shrimati Jaya Bachchan, have said.

SHRI BINOY VISWAM (Kerala): Sir, I also associate myself with what the hon. Members, Kumari Selja and Shrimati Jaya Bachchan, have said.

श्री दिग्विजय सिंह (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या कुमारी शैलजा और श्रीमती जया बच्चन द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री मोतीलाल वोरा (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या कुमारी शैलजा और श्रीमती जया बच्चन द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री पी. एल. पुनिया (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या कुमारी शैलजा और श्रीमती जया बच्चन द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री हुसैन दलवई (महाराष्ट्र): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या कुमारी शैलजा और श्रीमती जया बच्चन द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

प्रो. मनोज कुमार झा (बिहार): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या कुमारी शैलजा और श्रीमती जया बच्चन द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती झरना दास बैद्य (त्रिपुरा): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या कुमारी शैलजा और श्रीमती जया बच्चन द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

श्रीमती सरोजिनी हेम्ब्रम (ओडिशा): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या कुमारी शैलजा और श्रीमती जया बच्चन द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

श्रीमती छाया वर्मा (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं भी माननीय सदस्या कुमारी शैलजा और श्रीमती जया बच्चन द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

SOME HON. MEMBERS: Sir, we also associate ourselves with what the hon. Members, Kumari Selja and Shrimati Jaya Bachchan, have said.

MR. CHAIRMAN: The Members who are associating with this may please send their slips so that their names could be included. Seljaji made a very valid point, and, again, it was supported by Jayaji. The point is: Is there any dearth of laws? इसमें क्या कानून की कमी है, समाज के व्यवहार अथवा सोच में परिवर्तन लाने का प्रयास है

और जो कानून है, उसे अमल करने का विषय बहुत महत्वपूर्ण है। मैंने उस समय भी कहा, मुझे याद है। I said, what is required is not a new Bill – Bill is okay – but political will, administrative skill to kill the social evil. That is what I said. That has to be done. Now, Shri Digvijaya Singh. ...(*Interruptions*)... ठीक है, अब आप इसे politically मत करिए। इससे कुछ फायदा नहीं होगा। अभी जैसा श्रीमती जया बच्चन जी ने कहा कि बार-बार खड़ा होना पड़ रहा है। ऐसी situation आगे न आए, इसके लिए हम सब लोग अपने-अपने प्रदेशों में मिलकर प्रयास करें। Law and Order किस का है, वह सबको मालूम है। श्री दिग्विजय सिंह जी बोलिए।

SHRIMATI JAYA BACHCHAN: Mr. Chairman, Sir, one minute. I think it is very important to also pull up the parents of these boys or men. जब तक आप माता-पिता को publically शर्मिन्दा नहीं करेंगे, तब तक ऐसा होने वाला नहीं है, क्योंकि वे इस बात को किसी न किसी तरह Cover up करते हैं। आप इसके ऊपर ध्यान दीजिए।

MR. CHAIRMAN: I agree. Now, Digvijaya Singhji.

श्री दिग्विजय सिंह जी, हमारे सदन के सदस्य हैं। वे सदन की अनुमति लेकर नर्मदा नदी की परिक्रमा कर के आए हैं। वे नर्मदा नदी के बारे में कुछ बताने वाले हैं। वे इस बारे में कुछ बोलेंगे।

Environmental concerns related to Narmada River

श्री दिग्विजय सिंह (मध्य प्रदेश): सभापति महोदय, मां नर्मदा मध्य प्रदेश और गुजरात के लिए जीवन-दायिनी नदी है और एकमात्र ऐसी नदी है, जिसकी परिक्रमा की जाती है। यह नदी पौराणिक मान्यताओं के आधार पर गंगा से भी वरिष्ठ है और अनादिकाल से सभी साधु-संतों ने वहां तपस्या की है। आदि शंकराचार्य जी ने भी आठ वर्ष की उम्र में केरल से चलकर, नर्मदा तट पर, गुरु गोविन्द भगवत्पाद जी से दीक्षा ली और तब से लाखों लोग प्रति वर्ष नर्मदा जी की परिक्रमा करते हैं। कुछ लोग पैदल परिक्रमा करते हैं, कुछ गाड़ियों से करते हैं और कुछ लोग हवाई जहाज़ से भी करते हैं। जिसकी जैसी आस्था होती है, वैसे ही परिक्रमा की जाती है, लेकिन हमारी सारी यात्रा में, जिसमें कि लगभग 300 लोग थे, दो पूर्व संसद-सदस्य, दलित, आदिवासी और महिलाएं भी थीं। हमने वहां नर्मदा जी की जो दुर्दशा देखी, वह वाकई में चिन्ताजनक है।

महोदय, इसीलिए मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि पूरे catchment area में जंगल कट जाने की वजह से नदी का प्रवाह कम हुआ है। मशीनों के द्वारा अवैध रेत खनन से वहां पानी का जलस्तर कम हुआ है और साथ ही उसके अस्तित्व को खतरा भी उत्पन्न हो गया है। बांध बन जाने से नदी के जल का प्रवाह और भी कम हो गया है। इसी बात की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए मेरे कुछ सुझाव हैं।

महोदय, समस्त नर्मदा के catchment area में जंगल कटाई पर रोक लगनी चाहिए। NGT का आदेश है कि मशीनों द्वारा रेत का उत्खनन नहीं होना चाहिए। नदी के जल प्रवाह को निश्चित तौर से सुनिश्चित किया जाना चाहिए और Narmada Control Authority को मेरा सुझाव है कि वहां प्रवाह कम होने से, विशेषकर सरदार सरोवर बांध बनने से downstream प्रवाह नगण्य हो गया है और समुद्र का खारा पानी 80 किलोमीटर तक upstream नर्मदा जी में आ गया है।